

Uttarbharat Live
3-8-2022

वनाग्नि की नुकसान पर डाला प्रकाश

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान के वन प्रबंधन एवं संवर्धन प्रभाग द्वारा भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए एक 1 अगस्त से पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन वन संवर्धन एवं प्रबंधन प्रभाग के प्रमुख आरपी सिंह द्वारा प्रशिक्षणरत सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा सप्ताह भर चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी साझा की। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. रेणु सिंह, निदेशक, एफआरआई महोदया ने वनाग्नि की निगरानी और नुकसान के आकलन के महत्व पर प्रकाश डाला। संस्थान के अधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का

आईएफएस अफसरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

■ पांच दिन तक चलेगा कार्यक्रम, निदेशक एफआरआई डॉ. रेणू सिंह ने दिया उद्घाटन भाषण

शाह टाइम्स संवाददाता देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान के वन प्रबंधन एवं संवर्धन प्रभाग की ओर से भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन वन संवर्धन एवं प्रबंधन प्रभाग के प्रमुख आरपी सिंह ने प्रशिक्षणरत सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा सप्ताह भर चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी साझा की। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. रेणू सिंह, निदेशक, एफआरआई ने वनाग्नि की निगरानी और नुकसान के आंकलन के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागी आईएफएस अधिकारियों के अतिरिक्त विभिन्न प्रभागों के प्रमुख,



वैज्ञानिकगण तथा संस्थान के अधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन विजया रात्रे, उप वन संरक्षक की ओर से किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र के बाद आरपी सिंह वैश्विक और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में वनाग्नि की समस्या विषय पर व्याख्यान दिये। भोजन अवकाश के बाद प्रशिक्षण कार्यक्रम का तीसरा सत्र में डॉ सुनील चंद्र, एफएसआई, देहरादून ने बर्न एरिया मॉनिटरिंग एनालिसिस विषय पर व्याख्यान गया। कार्यक्रम के पहले दिन के समापन हिमाचल प्रदेश के मुख्य वन संरक्षक ई विक्रम, भारतीय वन सेवा के

फरिस्ट फायर डेंजर रेटिंग सिस्टम एंड फरिस्ट फायर मॉनिटरिंग: लेशंस फ्रॉम एक्रॉस द वर्ल्ड विषय पर व्याख्यान के साथ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन डॉ. हितेंद्र पडालिया, प्रमुख, बानिकी एवं पारिस्थितिकी विभाग, आईआई आरएस, देहरादून के फरिस्ट फायर मॉनिटरिंग एंड एसेसमेंट यूजिंग सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग इन हिमालया कॉन्टेक्ट विषय पर व्याख्यान के द्वारा शुरू किया गया। उनके व्याख्यान के बाद डॉ. सूर्य प्रकाश, प्रोफेसर एवं प्रमुख, भू-मौसम विज्ञान जोखिम प्रभाग, एनआईडीएम ने कम्युनिटी

पार्टिसिपेशन इन फरिस्ट फायर रिस्क, रिडक्शन एंड रेजिलेंस शीर्षक विषय पर व्याख्यान दिया।

दोपहर के भोजन के बाद के सत्र की शुरुआत वैभव सिंह, आईएफएस, डीएफओ, रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड की ओर से इंट्रोडक्शन टू कनाडियन फायर डेंजर रेटिंग सिस्टम एंड इट्स पोटेंशियल एप्लीकेशन इन इंडियन कॉन्टेक्ट के व्याख्यान के साथ किया गया। इसके बाद प्रतिभागियों को भारतीय वन सर्वेक्षण का भ्रमण कराया गया। इसी के साथ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का दूसरा दिन संपन्न हुआ।

Janbharat Mail 3-8-2022

अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन



देहरादून, संवाददाता। वन अनुसंधान संस्थान के वन प्रबंधन एवं संवर्धन प्रभाग द्वारा भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन वन संवर्धन एवं प्रबंधन प्रभाग के प्रमुख श्री आर पी सिंह द्वारा प्रशिक्षणरत सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा सप्ताह भर चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी साझा की। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. रेणु सिंह, निदेशक, एफआरआई महोदय ने वनाग्नि की निगरानी और नुकसान के आकलन के महत्व पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागी आईएफएस अधिकारियों के अतिरिक्त विभिन्न प्रभागों के प्रमुख, वैज्ञानिकगण तथा संस्थान के अधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन श्रीमती विजया रात्रे, उप वन संरक्षक द्वारा किया जा रहा है।

उद्घाटन सत्र के उपरांत श्री आरपी सिंह, महोदय ने वैश्विक और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में वनाग्नि की समस्याओं विषय पर व्याख्यान दिये। भोजन अवकाश के बाद प्रशिक्षण कार्यक्रम का तीसरे सत्र में डॉ सुनील चंद्र, एफएसआई, देहरादून ने फ्लॉरिड एरिया मॉनिटरिंग एनालिसिस विषय पर व्याख्यान गया। कार्यक्रम के पहले दिन के समापन हिमाचल प्रदेश के मुख्य वन संरक्षक श्री ई विक्रम, भारतीय वन सेवा के फ्लॉरिड फायर डेंजर रेटिंग सिस्टम एंड फ्लॉरिड फायर मॉनिटरिंग लेशंस प्रॉम एक्रॉस द वर्ल्ड विषय पर व्याख्यान के साथ हुआ। उनके व्याख्यान के बाद डॉ. सूर्य प्रकाश, प्रोफेसर एवं प्रमुख, भू-मौसम विज्ञान जोखिम प्रभाग, एनआईडीएम ने कम्युनिटी पार्टिसिपेशन इन फ्लॉरिड फायर रिस्क, रिडक्शन एंड रेजिलेंस शीर्षक विषय पर व्याख्यान दिया।

The Hawk

3-8-2022

Training Course For IFS Officers On Forest Fire Monitoring & Damage Assessment At FRI

Dehradun (The Hawk): Silviculture and Forest Management Division of FRI, Dehradun is organizing One-week Compulsory Training Course for IFS Officers on "Forest Fire Monitoring and Damage Assessment" w.e.f. 01st to 05th August, 2022. About 23 IFS officers from 16 states are participating in the training course. On the first day of the training course (01st August, 2022), Sh. R.P. Singh, IFS, Head, Silviculture and Forest Management (S&FM) Division of FRI and Course Coordinator of the training course welcomed the participants and explained about the one-week training course. The



inaugural address was delivered by Dr. Renu Singh, Director, FRI.

Madam detailed about

importance of forest fire monitoring and damage assessment. During the inaugural session, the participant IFS officers, various Head of the Divisions, Scientists and officers of FRI were present. The training course is coordinated by Ms. Vijaya Ratre, IFS, DCF, Silviculture and Forest Management Division of FRI. After the inaugural session, the second session was delivered by Sh. R.P. Singh, IFS, Head, S&FM Division of FRI on the topic "Forest fire in Global and National Perspective". The post-lunch session (third session) was taken by Dr. Sunil Chandra, FSI, Dehradun on "Burnt Area

Monitoring Analysis". The last session of the first day training course on "Forest Fire Danger Rating System and Forest Fire Monitoring: Lessons from Across the World" was delivered by Sh. E. Vikram, IFS, CF, Himachal Pradesh. With this lecture, the first day of the training course was completed.

The second day of the training course (02nd August, 2022) was started with the lecture on "Forest Fire Monitoring and Assessment using Satellite, Remote Sensing in Himalayan Context" by Dr. Hitendra Padalia, Head, Forestry & Ecology Department, IIRS, Dehradun. This was followed by the lecture on "Community Participation in Forest Fire: Risk, Reduction and Resilience" by Dr. Surya Prakash, Prof. & Head, Geo-Meteorological Risk Division, NIDM. The post-lunch session began with the lecture on "Introduction to Canadian Fire Danger Rating System and its Potential Application in Indian Context" by Sh. Vaibhav Singh, IFS, DFO, Rudraprayag, Uttarakhand. This was followed by visit to Forest Survey of India (FSI). With this, the second day of the training course was completed.

The Himachal Times

3-8-2022

FRI holds training course on 'Forest Fire Monitoring and Damage Assessment'

Dehradun, Aug 2 (HTNS): The Silviculture and Forest Management Division, FRI, is organizing a one-week compulsory training course for IFS officers on "Forest fire Monitoring and Damage Assessment" from 1-5 August. Around 23 IFS officers from 16 states are participating in the training course.

On the first day of the training course (1 August), RP Singh, IFS, Head, Silviculture and Forest Management (S and FM) Division of FRI and Course Coordinator of the training course welcomed the participants and explained about the one-week training course. The inaugural address was delivered by Dr Renu Singh, Director, FRI who gave details

about the importance of forest fire monitoring and damage assessment.

During the inaugural session, the participating IFS officers, various heads of the divisions, scientists and officers of FRI were present.

The training course is coordinated by Vijaya Rathe, IFS, DCF, Silviculture and Forest Management Division of FRI.

The second session was delivered by RP Singh, IFS, Head, S and FM Division of FRI on the topic "Forest Fire in Global and National Perspective".

The post-lunch session (third session) was taken by Dr Sunil Chandra, FSI, Dehradun on "Burnt Area Monitoring Analysis".

The last session of the first day training course



on "Forest Fire Danger Rating System and Forest Fire Monitoring: Lessons from Across the World" was delivered by E Vikram, IFS, CF, Himachal Pradesh.

The second day of the training course was held on Tuesday with the lecture on "Forest Fire Monitoring and Assessment using Satellite,

Remote Sensing in Himalayan Context" by Dr Hitendra Padalia, Head, Forestry and Ecology Department, IIRS, Dehradun.

This was followed by the lecture on "Community Participation in Forest Fire: Risk, Reduction and Resilience" by Dr Surya Prakash, Professor and Head, Geo-Meteor-

ological Risk Division, NIDM. The post-lunch session began with the lecture on "Introduction to Canadian Fire Danger Rating System and its Potential Application in Indian Context" by Vaibhav Singh, IFS, DFO, Rudraprayag, Uttarakhand. This was followed by a visit to Forest Survey of India (FSI).

Rashtriya Sahara 3-8-2022

वनाधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान में भारतीय वन सेवा के अधिकारियों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। वन संवर्धन द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान निदेशक डा. रेणु सिंह ने किया। उन्होंने वनाग्नि की निगरानी व नुकसान के आकलन के महत्व पर प्रकाश डाला। वन संवर्धन प्रभाग के प्रमुख आरपी सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। हिमाचल प्रदेश के मुख्य वन संरक्षक ई. विक्रम ने फारेस्ट फायर डेंजर रेटिंग सिस्टम एंड मॉनिटरिंग पर व्याख्यान दिया। वहीं एफएसआई के डा. सुनील चंद्र ने वर्न एरिया मॉनिटरिंग एनालिसिस पर व्याख्यान दिया। आईआईआरएस के वानिकी एवं पारिस्थितिकी विभाग के प्रमुख डा. हितेन्द्र पडालिया ने हिमालयी क्षेत्र में सैटेलाइट द्वारा वनाग्नि की मॉनिटरिंग विषय पर व्याख्यान दिया। बताया कि वनाग्नि की घटनाओं को किस तरह सैटेलाइट तकनीक से मॉनिटर किया जाता है। डा. सूर्य प्रकाश ने कम्युनिटी पार्टिसिपेशन इन फारेस्ट फायर रिस्क विषय पर व्याख्यान दिया। इसके बाद भारतीय वन सेवा के अधिकारियों को भारतीय वन सर्वेक्षण का भ्रमण भी कराया गया।

Amar Ujala

3-8-2022

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को दी जानकारी

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान के वन प्रबंधन एवं संवर्धन प्रभाग की ओर से भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। प्रभाग के प्रमुख आरपी सिंह ने प्रतिभागियों को कार्यक्रम की जानकारी दी। एफआरआई की निदेशक डॉ. रेणु सिंह ने वन अग्नि की निगरानी व नुकसान के आकलन पर चर्चा की। प्रतिभागी आईएफएस अफसरों के अतिरिक्त कई प्रभागों के प्रमुख व संस्थान के अधिकारी मौजूद रहे। तीसरे सत्र में एफएसआई डॉ. सुनील चंद्र ने बर्न एरिया मॉनीटरिंग एनालिसिस पर जानकारी दी। कार्यक्रम में वानिकी एवं पारिस्थितिकी विभाग प्रमुख डॉ. हितेंद्र पडालिया ने वन अग्नि मॉनीटरिंग एंड एसेसमेंट का सेटेललाइट रिमोट सेंसिंग का प्रयोग करते हुए हिमालय कांटेस्ट विषय की जानकारी दी। इस मौके पर प्रो. डॉ. सूर्य प्रकाश, उपवन संरक्षक विजय रात्रे आदि रहे। संवाद